जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 120 प्रभात उदयपुर, रविवार 3 मार्च, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा ने 195 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट घोषित की

प्र.मंत्री मोदी वाराणसी से, अमित शाह गांधी नगर से और राजनाथ सिंह लखनऊ से चुनाव लड़ेंगे

- पहली लिस्ट में 34 मंत्रियों के नाम हैं, पर बहुचर्चित नितिन गडकरी का नाम नहीं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री जयशंकर को चुनाव में उतारे जाने की चर्चा थी, पर उनका नाम भी पहली लिस्ट में नहीं है।
- दिल्ली की 5 सीटों पर प्रत्याशी घोषित हुए है। इनमें सबसे चर्चित उम्मीदवारी सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज की है जिन्हें केन्द्रीय राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी की जगह नई दिल्ली से टिकट दिया गया है।
- उत्तर प्रदेश की 51 सीटों पर टिकट घोषित किए गए हैं। प्र.मंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा अमेठी से स्मृति ईरानी, मथुरा से हेमा मालिनी के टिकट भी बरकरार रखे गए हैं।
- पहली लिस्ट में राजस्थान की 15 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मार्च। भाजपा ने 195 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी से, गांधी नगर से अमित शाह, लखनऊ से राजनाथ सिंह प्रत्याशी घोषित किए गए हैं, जबकि नितिन गडकरी का नाम लिस्ट में नहीं है।

केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी की उम्मीदवारी ड्रॉप कर दी गई है और उनकी जगह सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज को नई दिल्ली से चुनाव मैदान में उतारा गया है।

नॉर्थ ईस्ट दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी की उम्मीदवारी बरकरार रखी गई है, शेष घोषित पांच सीटों पर उम्मीदवार बदले गए हैं। शशि थरूर का घेराव करने के लिए केन्द्रीय मंत्री चन्द्रशेखर को उनके सामने उतारा गया है। पहली लिस्ट में 34 मंत्रियों के नाम है, लेकिन निर्मला सीतारमण, जयशंकर और कुछ अन्य मंत्रियों की उम्मीदवारी पर अभी निर्णय नहीं लिया गया है। बात जब टिकट वितरण की हो तो, भाजपा ने कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक पार्टियों से बाजी मार ली है। कांग्रेस ने प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया अभी शुरु ही की है।

सत्यपाल मलिक होंगे अलीगढ़ से सपा प्रत्याशी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मार्च। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जम्मू व कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को अलीगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया है ताकि राष्ट्रीय लोकदल (आर.एल.डी.) के नेता जयंत चौधरी से बदला लिया जा सके। मलिक व जयंत दोनों जाट हैं और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में काफी अहमियत व प्रभुत्व रखते हैं और इनके निर्वाचन क्षेत्र

- समाजवादी पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल को अलीगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाने की पेशकश की है। सपा मलिक को जयंत चौधरी के जवाब में आगे बढ़ा रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने पहली लिस्ट में घोषित किए राजस्थान से 15 प्रत्याशी

सात सीटों पर मौजूदा सांसद को टिकट नहीं दिया गया है

- कोटा से ओम बिड़ला, जोधपुर से गजेन्द्र सिंह शेखावत, बीकानेर से अर्जुन राम मेघवाल, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के नाम पहली लिस्ट में शामिल है।
- हाल ही में कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में आए महेन्द्रजीत सिंह मालवीय को बांसवाड़ा-डूंगरपुर से कनकमल कटारा की जगह प्रत्याशी बनाया गया है।
- गत लोकसभा चुनाव में भाजपा ने नागौर से आर.एल.पी. प्रमुख हनुमान बेनीवाल को समर्थन दिया था, पर इस बार नागौर से ज्योति मिर्धा को टिकट दिया गया है।

जयपुर, 2 मार्च (का.सं.)। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने पहली सूची का ऐलान कर दिया है। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी पदाधिकारियों ने 195 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की। इसमें राजस्थान के 15 प्रत्याशी भी हैं। पहली सूची में जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखावत, बीकानेर से अर्जुनराम मेघवाल, कोटा से ओम बिड़ला समेत 15 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। राजस्थान में 7 सीटों पर पार्टी ने उम्मीदवार बदल दिया है।

राजस्थान की लोकसभा सीटों को लेकर हाल में राजस्थान भाजपा कोर कमेटी की बैठक हुई थी। इस बैठक में राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों के लिए 3-3 नामों का पैनल तैयार किया गया था। कोर कमेटी की बैठक में तैयार पैनल पार्टी आलाकमान को भेजा गया। इसके बाद दिल्ली में हुई। केन्द्रीय इलैक्शन कमेटी की बैठक में इन सभी सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद शनिवार को पार्टी ने राजस्थान की 15 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है।

अब राजस्थान की दस सीटों से प्रत्याशी घोषित करनी शेष है। बीकानेर से अर्जुन राम मेघवाल, चूरू से देवेन्द्र झाझड़िया, सीकर से सुमेधा नंद सरस्वती, भरतपुर से रामस्वरूप कोली, अलवर से भूपेंद्र यादव, नागौर से ज्योति मिर्धा, पाली से पी.पी. चौधरी, जोधपुर से गजेंद्र सिंह शेखवात, बाड़मेर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में कृषि अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन करेंगे मुंडा

नयी दिल्ली, 2 मार्च (वार्ता)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा सोमवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), असम के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करेंगे। यह संस्थान पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि अनुसंधान और शिक्षण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह संस्थान दिरपई चापोरी, गोगामुख और धेमाजी में सुबनसिरी नदी के किनारे बनाया गया है और 587 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। संस्थान में विभिन्न अनुसंधान, विस्तार और शिक्षण गतिविधियों के संचालन के लिए पर्याप्त स्थान है। संस्थान की शैक्षिणक यात्रा 26 मई, 2017 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए शिलान्यास समारोह से शुरू हुई थी। इससे पूर्वोत्र क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए कृषि अनुसंधान में व्यवस्थित शिक्षण की शुरुआत हुई। संस्थान का लक्ष्य कुशल कृषि प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए व्यवस्थित अनुसंधान करना है जो क्षेत्र में 'दूसरी हरित क्रांति' लाने में योगदान दे सके।संस्थान का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर के राज्यों में व्यापक कृषि विकास के लिए शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इन प्रयासों से क्षेत्र में कृषि क्षेत्र की उत्पादकता, स्थिरता और पूर्ण विकास में वृद्धि की संभावना है।

प्र.मंत्री मोदी ने टी.एम.सी. को दिया नया नाम "तू, मैं, और करप्शन"

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में प्रत्याशी घोषित कर तृणमूल को सकते में डाला

- राज्य के दो दिन के दौरे में प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में चुनावी माहौल बना दिया था और अब प. बंगाल की सभी 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित कर राज्य को पूरी तरह से चुनावी रंग में रंग दिया है।
- केन्द्रीय चुनाव आयोग की टीम भी चुनाव तैयारियों के सिलसिले में प. बंगाल पहुंच गई है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल में चुनाव का बिगुल फूंक दिया, यही नहीं भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) को सकते में भी डाल दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बंगाल के दो दिवसीय तूफानी दौरे ने बंगाल की राजनीति में हलचल पैदा कर राज्य में चुनावी माहौल बना दिया है। नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टी.एम.सी. के लिए नई शब्दावलि गढ़ी है अर्थात् टी.एम.सी. यानी कि तू, मैं और करप्शन।" टी.एम.सी. भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है और उसके नेताओं के विरूद्ध ऐसे आरोप हैं। उसके कई नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने एक लाख बूथ एजेंट नियुक्त किए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मार्च। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक लाख बूथ एजेन्टस नामित किए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शीघ्र ही इनकी संख्या बढ़ाकर दो लाख की जाएगी। पार्टी सम्पूर्ण देश में पोस्टर्स लगा रही है, जिसमें वादा किया है कि आगामी लोकसभा चुनावों में चुनाव जीतकर सत्ता में आने के बाद किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) देगी। इन पोस्टरों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के फोटो लगे हुए हैं।

- पार्टी सूत्रों ने कहा, संख्या जल्दी ही बढ़ कर 2 लाख हो सकती है।

कश्मीर में छः घोषित अपराधियों की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर, 2 मार्च (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में पुलिस ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में रहने वाले छह घोषित अपराधियों की संपत्ति कुर्क कर ली है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि जिला मजिस्ट्रेट गांदरबल की ओर से पारित एक आदेश के अनुपालन में बुधवार को आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा के तहत संपत्तियां कुर्क की गईं। संपत्तियां छह घोषित अपराधियों की थी, जो अवैध हथियारों का प्रशिक्षण लेने के लिए पाकिस्तान या पीओके गए थे और गांदरबल के एक मामले में वांछित थे। पुलिस ने कहा कि कुर्क की गई संपत्तियों में राजस्व संपत्ति कावचेरवान कंगन में स्थित एक कनाल और एक मरला की कृषि भूमि शामिल है, तांगचाटर कंगन के घोषित अपराधी फैयाज अहमद शाह के नाम पर एक कन्नाल छह मरला एस्टेट अखल की एक अन्य कृषि भूमि और घोषित अपराधी सैफ उद दीन शाह तंगचटर की एक कनाल छह मरला कृषि भूमि और एक कनाल नौ कृषि भूमि कुर्क की गई है।

काट दी 5 सांसदों की टिकट : कांग्रेस

नयी दिल्ली, 2 मार्च (वार्ता)। कांग्रेस ने भाजपा की लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की सूची में दिल्ली में पांच में से चार सीटों पर उम्मीदवार बदलने को लेकर भाजपा पर हमला करते हुए सवाल पूछा कि आखिर इन सांसदों की टिकट किस आधार पर काटी गई है। पवन खेड़ा ने भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची पर कहा कि जिन सांसदों के टिकट काटे गये हैं।

छः बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य हिमाचल सरकार गिराने पर आमादा

विक्रमादित्य भाजपा नेताओं से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं

- कहा जा रहा है कि, विक्रमादित्य ने अपने फेस बुक प्रोफाइल से कांग्रेस सदस्य और सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री का पद नाम हटा लिया है। अब उनके प्रोफाइल में "हिमाचल का सेवक" लिखा है।
- विक्रमादित्य ने कांग्रेस पर अपने पिता का अपमान करने का आरोप लगाया है। पर सूत्रों का कहना है कि बगावत के बीज तब ही पड़ गए थे जब पार्टी आलाकमान ने वीरभद्र की विधवा एवं प्रदेश अध्यक्ष रानी प्रतिभा सिंह की बजाय सुखविंदर सुक्खू को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया था।
- हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी के राज्यसभा चुनाव हारने से कांग्रेस सरकार का गिरना लगभग तय सा हो गया है। देखना यह है कि हिमाचल में कौनसा दिन कांग्रेस की सरकार का आखिरी दिन साबित होता है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मार्च। हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के पुत्र विक्रमादित्य सिंह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मिलने नई दिल्ली पहुंचे, उनके फेसबुक प्रोफाइल पर उनका जो अधिकारिक पद पहले दिखाया जा रहा था, उसे अब हटा लिया गया है, इससे कांग्रेस नेतृत्व में देश के उत्तरी भाग में मौजूद अपनी एकमात्र सरकार को बचाने की आपाधापी मच गई है।

पहले उनके प्रोफाइल में लिखा था- पी.डब्ल्यू.डी. मिनिस्टर एवं इण्डियन नैशनल कांग्रेस का सदस्य। बायो में अब सिर्फ यह लिखा है- "हिमाचल का सेवक।" राज्यसभा की सीट हारने के बाद हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार एक तरह से गिर चुकी है। विक्रमादित्य ने कल नई दिल्ली रवाना होने से पूर्व कांग्रेस के अन्य बागी नेताओं से मुलाकात की। सूत्र खुलासा करते हैं कि सिंह दिल्ली में भाजपा के प्रमुख नेताओं जैसे कि हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिन्दल से मुलाकात कर सकते हैं।

मंजे हुए पर्यवेक्षकों के अनुसार, "यह स्पष्ट है कि विद्रोह का नेतृत्व पूर्व राजपरिवार कर रहा है और इस परिवार ने बिना सत्ता के कभी समझौता नहीं किया। यह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एक बगावत है जिन्होंने पार्टी के साधारण कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री बने सुखविन्दर सिंह सुक्खु का पूरा समर्थन किया था।

विक्रमादित्य ने कांग्रेस पर उनके पिता का अनादर करने का सार्वजनिक आरोप लगाते हुए विद्रोह का झण्डा उठाया है। उनका मानना है कि कांग्रेस ने गत विधानसभा चुनावों में उनके पिता के नाम पर ही वोट मांगे और बाद में उन्हीं के परिवार की उपेक्षा की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)